पुस्तकालय

3322
20/2/14

सत्यमेव जयते

असंशोधित

17 FEB 2014

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

(भाग 1–कार्यवाही–प्रश्नोत्तर)

प्रतिवेदन शाखा
पी०सं०प्रे०सं० .... 32 तिथि 20-2-14

अध्यक्षः माननीय नेता, प्रतिपक्ष आप पुराने सदस्य भी हैं और आप जानते हैं कि कार्य स्थगन का भी नियमानुसार अपने नियमावली में एक प्रावधान है । अवसर होगा उस समय उसको देखा जाएगा ।

श्री नंद किशोर यादव,नेता,प्रतिपक्षः अवसर कब होगा अध्यक्ष महोदय ? यही तो मैं कहा अवसर कब होगा ? कब इस पर चर्चा करेंगे, कब इस पर विचार करेंगे । कोई तो निर्णय आपका होना चाहिए ।

(व्यवधान)

श्री विजेन्द्र प्र0 यादव, मंत्रीः महोदय, लगता है कि पिछले दिनों नेता, विरोधी दल कार्य संचालन नियमावली को विस्मृति में चले गए हैं । कार्य संचालन नियमावली में लिखा हुआ है कि जब क्वेश्चन आवर खत्म होगा जीरो आवर होगा तब कार्य स्थगन वगैरह लिया जाएगा । यह नियमावली में है ।

श्री नंद किशोर यादव,नेता,प्रतिपक्षः कहां है ?

श्री विजेन्द्र प्र0 यादव,मंत्रीः यह नियमावली में है आप पढ़िये । हाउस नियमावली के अनुसार चलता है । क्वेश्चन आवर में ये बातें नहीं होती हैं । अगर आपको विस्मृति स्वीकार है तो धन्यवाद है आपको । आपके पार्टी की दुर्दशा होने वाली है ।

श्री नंद किशोर यादव,नेता,प्रतिपक्षः ये तो बता ही नहीं रहे हैं । आपके कहने से थोड़े ही सदन चलेगा । सदन चलेगा अध्यक्ष जी के आदेश से । अध्यक्ष जी से मैं कह रहा हूं ।

अध्यक्षः शांति, शांति । आसन ने बार बार कहा कि जो अपनी नियमावली में व्यवस्था है उसी व्यवस्था के अनुसार कार्य संचालन नियमावली को देखेंगें ।

श्री नंद किशोर यादव,नेता, प्रतिपक्षः महोदय, क्या व्यवस्था है बताइये अध्यक्ष महोदय । व्यवस्था के बारे में नियमन कौन देगा ?

(व्यवधान)

अध्यक्षः अब अल्सूचित प्रश्न समाप्त हुआ तारांकित प्रश्न लिये जायेंगे।

<u>तारांकित प्रश्न संख्या-1 (श्री अजीत कुमार)</u>

अध्यक्षः इसका प्रश्न पूछा गया है इस प्रश्न को अस्वीकृत कर दिया गया है । जवाब भी आर्डर पेपर में ही है ।

तारांकित प्रश्न संख्या-2 (श्रीमती रंजू गीता)

अध्यक्ष: माननीय मंत्री ।

(इस अवसर पर भाजपा के मा0 सदस्यगण सदन के वेल में आ गए)

अध्यक्ष: शांति, शांति ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष: शांति, शांति । आप अपने अपने स्थान पर जायं । आसन ने बार बार आग्रह आप माननीय सदस्यों से किया कि जो नियमावली में प्रावधान है उसी नियम के अनुसार प्रश्नोत्तर काल के बाद इसको देखेगा ।

श्री नंद किशोर यादव,नेता,प्रतिपक्ष: सदन इस पर विचार करेगे न ?

अध्यक्ष: आसन ने कहा उसको देखेगा । अभी तो आसन ने उसको देखा नहीं है ।

(इस अवसर पर वेल में आये भाजपा के मा0 सदस्यगण अपनी अपनी सीट पर चले गए)

अध्यक्ष: माननीया सदस्या, श्रीमती रंजू गीता ।

श्रीमती रंजू गीत: पूछती हूं ।

अध्यक्ष: प्रभारी मंत्री, सामान्य प्रशासन विभाग ।

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव,मंत्री: महोदय, माननीय सदस्य, श्री अजीत कुमार ने जो प्रश्न उठाया वह अस्वीकारात्मक है । वह किसी तरह से लागू नहीं है ।

अध्यक्ष: माननीय सदस्य, श्री सोने लाल हेम्ब्रम ।

अध्यक्ष: मा0 सदस्य श्री अजीत कुमार का आपने पहले बता दिया कि उत्तर अस्वीकारत्मक है । और उसमें कोई पूरक प्रश्न की आवश्यकता नहीं है ।

डॉ0 अच्युतानंद: महोदय, आप जन अधिकारों के संरक्षक हैं । मेरा व्यवस्था है । मेरा अल्पसूचित प्रश्न है अभी भी समय है उसको ले लिया जाय ।

(व्यवधान)

श्री विजेंद्र प्रसाद यादव,मंत्री : महोदय, 1...

श्री नंदकिशोर यादव,नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, व्यवस्था के सवाल पर हूं । बैठ जाईये । महोदय, एक मिनट । एक मिनट ।

श्री विजेंद्र प्रसाद यादव,मंत्री : हम बैठेंगे तब न । हम बैठेंगे तब न उठियेगा । आप नेता विरोधी दल उनको कहिये । अध्यक्ष महोदय को कहिये, हम आपका आदेश थोड़े मानेंगे, आप हमको आदेश दीजियेगा ?

श्री नंदकिशोर यादव,नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, ..

श्री विजेंद्र प्रसाद यादव,मंत्री : ये नियम के प्रतिकूल है । नियम के प्रतिकूल है । नियम के प्रतिकूल है ।

(व्यवधान)

श्री नंदकिशोर यादव,नेता विरोधी दल : महोदय, हाऊस ऑर्डर में नहीं था, अल्पसूचित प्रश्न आपको लेना चाहिये ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण,

श्री नंदकिशोर यादव,नेता विरोधी दल : अल्पसूचित का प्रश्न समाप्त नहीं हुआ है । हाऊस ऑर्डर में नहीं था।

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, आज आप सबलोगों को पता है कि पूर्व की तरह ये सदन की कार्यवाही को सीधे वेबकास्ट से भी दिखलाया जा रहा है, वेबकास्ट के माध्यम से और आप सब अनुभवी हैं और बच्चे भी ऊपर देख रहे हैं इसलिये विधायी प्रक्रिया को मजबूत करने में आप सब आसन को सहयोग करें ।

श्री नंदकिशोर यादव,नेता विरोधी दल : महोदय, यही मैं कहना चाहता हूं कि वेबसाईट पर ये सारा प्रकाशित हो रहा है जो देखनेवाले हैं, बच्चे भी आये हैं और बच्चे देखेंगे तो कैसा लगेगा कि हाऊस ऑर्डर में नहीं था और अल्पसूचित प्रश्न का समय अभी बचा हुआ है और आपने हमारे मेम्बर को अल्पसूचित प्रश्न पूछने नहीं दिया, यह भी तो लोग देखेंगे महोदय । इसलिये मैं कहना चाहता हूं कि सदन की गरिमा को बनाये रखने के लिये चूंकि हाऊस ऑर्डर में नहीं था, अल्पसूचित एक ही प्रश्न है, समय बचा हुआ है इसलिये उस प्रश्न को लिया जाना चाहिये, यही मैं आग्रह करना चाहता हूं ।

श्री विजेंद्र प्रसाद यादव,मंत्री : महोदय, मैं व्यवस्था पर हूं । अल्पसूचित प्रश्नों के भी समय आपके नियमावली में निर्धारित हैं । उस समय का सदुपयोग अगर विरोधी दल के लोग नहीं करेंगे तो उसमें न हमारी कोई गुंजाईश बैठती है न आपकी भी मजबूरी है ।

श्री नंदकिशोर यादव,नेता विरोधी दल : अभी टाईम बाकी है, घड़ी देखिये घड़ी । घड़ी देखिये घड़ी । घड़ी देखिये । घड़ी देखिये । घड़ी देखिये ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : चलिये ।

श्री नंदकिशोर यादव,नेता विरोधी दल : आप महोदय अपेक्षा करते हैं विपक्ष से, आप विपक्ष से अपेक्षा करते हैं कि प्रश्नोत्तर काल चलाने में मदद करे, सहयोग करें हम आपकी । हम आपको सहयोग करना चाहते हैं लेकिन ऐसा कैसे हो सकता है कि आप हमारे सदस्यों के प्रश्नों को न लें और जब समय बचा हुआ है अल्पसूचित प्रश्न का तब हमारे सदस्यों का प्रश्न नहीं लेना यह उचित नहीं है महोदय । तो मैं निवेदन आपसे करूंगा ..

अध्यक्ष : आसन बार-बार

श्री नंदकिशोर यादव,नेता विरोधी दल : कि कृपया चूंकि उस समय हाऊस ऑर्डर में नहीं था समय बचा हुआ है इसलिये उस प्रश्न को लिया जाय ।

अध्यक्ष : आसन बार-बार आपसे आग्रह कर रहा था, माननीय सदस्य को पुकारने का काम किया, आसन ने कुछ उस समय कहा नहीं, अगर वो बचा हुई हिस्सा होती,

(व्यवधान)

ज्यादा, ज्यादा और उसके बावजूद भी ।

श्री नंदकिशोर यादव,नेता विरोधी दल : महोदय, आपको यह भी ध्यान होगा कि जो सदस्य वेल में गये भी थे, जो लोग जोर दे रहे थे कार्य स्थगन स्वीकार करने के लिये, आपके आदेश के बाद वो सब आकर बैठ गये, इसका भी तो सम्मान आपको करना चाहिये अध्यक्ष महोदय और फिर आग्रह कर रहा हूं कि जो आप अगर चाहते हैं कि सदन शांति से चले, हम भी यही चाहते हैं लेकिन यह दोतरफा होगा महोदय, यह नहीं होगा कि हमारे माननीय सदस्यों के प्रश्नों को न लिये जांय समय रहने के बावजूद और फिर आप चाहें कि साहब सदन बढ़िया से चले, दोनों बात कैसे हो सकती है महोदय ? ताली तो दोनों हाथ से बजेगी । इसलिये मेरा आग्रह होगा, अल्पसूचित प्रश्न का समय है, पहले उसको ले लीजिये फिर आगे प्रश्न लीजिये ।

अध्यक्ष : आगे से आप सदस्य भी ध्यान रखेंगे समय का और ये प्रश्न का । अभी तो बहुत सारे अवसर आपको आयेंगे । ऐसा थोड़े ही है कि आज ही भर अवसर है आपको ।

श्री नंदकिशोर यादव,नेता विरोधी दल : महोदय, फिर मैं कह रहा हूं कि सदन ने आपकी भावनाओं का सम्मान किया है । आपके आदेश का पालन किया है । इस आदेश के पालन का दंड तो मुझे मत दीजिये न । ये दंड मुझे मत दीजिये । हां अगर आपको सदन बढ़िया से चलाना चाहते हैं, हम आपके आदेश का पालन कर रहे हैं, उसका दंड विपक्ष को मिलेगा क्या ? ये तो कहीं से भी उचित नहीं है । मगर समय अभी भी बचा है । अभी भी अल्पसूचित का समय बचा है । एक ही अल्पसूचित है, उसको छोड़ देने का औचित्य क्या है ?

अध्यक्ष : आसन के तरफ से ये नियमन है कि आसन अभी एक प्रश्न को ले लेता है लेकिन ये पूर्वग नहीं बनेगा भविष्य में कभी ।